Report of Lecture on Light Emission Present, Past and Future

On 14th October 2019 in Physics Department **Govt. VYTPG College Durg,** an invited lecture was given by Prof. K.V.R. Murthy Professor in M.S. University Vadodara, also president of Indian Luminescence Society on the topic Light Emission Present, Past and Future. Prof. Jagjeet Kaur Saluja enlightened the achievements and research work done by Prof. Murthy. He told the latest development in this field and also told PG students a lot of opportunities in the research field of LED. Prof. Purna Bose told the importance of these lecturers by which students can interact with Professors and motivated the students for gaining the scientific knowledge. Prof Murthy told the importance and application of LED. During this lecture Prof. Purna Bose, Prof. Jagjeet Kaur Saluja, Prof RS Singh, Dr. Anita Shukla, Siteshwari Chandrakar, Dr. Abhishek Kumar Misra, Research Scholars along with all M.Sc Students were present.

Photos of Prof. KVR Murthy lecture for promoting research

DEPARMENT OF PHYSICS

List of Participants are given below

1. DR PURNA BOSE
2. DR JAGJEET KAUR SALUJA
3. DR ANITA SHUKLA
4. DR R S SINGH
5. SITESHWARI CHANDRAKAR
6. DR ABHISHEK KUMAR MISRA
7. DR SWAGATA
8. DR NEHA TIWARI
9. CHANDRA SHEKHAR
10. NEERAJ
11. SHRUTI
12. AASTHA SWARNKAR
13. AJAY KUMAR SEN
14. ANANT KUMAR
15. BHANUPRAKASH
16. DOMESHWARI
17. DOMINLATA
18. GEETANJALI
19. LAXMIPRASAD MISHRA
20. LEENA SUDHAKAR
21. LUBNA KHAN
22. NIKITA USHARE
23. PAYAL
24. PRATIKSHA TIWARI
25. PRIYANKA DEWANGAN
26. RITESH MESHRAM
27. ROHIT EKKA
28. ROHIT KUMAR
29. ROSHAN KUMAR
30. SONAL DHIWAR
31. SURBHI SHARMA
32. TUSHAR SAHU
33. USHA YADAV
34. VIMAL KUMAR
35. ADITI SINGH KSHATRI
36. AKARSHIT BARANWAL
37. ANCHAL BHAVE
38. BHARTI SINHA

39.BHAVANA SINHA
40.CHAKENDRA
41.CHETNA DESHMUKH
42.HOMESHWARI SAHU
43.MANISH KUMAR
44.MEGHA KUMARI SARTHI
45.MITHLESH VERMA
46.MUKTI VARMA
47.OJASVI VARMA
48.PRINCE KUMAR KUSHWAHA
49.RANJANA SAHU
50.RATNESH DHRUW
51.RAVI SONBOIR
52.RAVISHANKAR ARMO
53.RUPALI JOSHI
54.SAMTA SALECHA
55.SUBHASHINI THAKUR
56.SURYA PRAKASH TIWARI
57.VEDIKA RANI VERMA
58.VIMAL KUMAR SINHA
59.TIRATH
60.DHANESH

Govt. V.Y.T. P.G. Autonomus College * Durg (C.G.)

Principal
Govt. V.Y.T. P.G. Autonomus
College, Durg (C.G.)

शोध तभी सफल जब फायदा समाज को मिले

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

भिलाई ◆ साइंस कॉलेज दुर्ग के भौतिक शास्त्र विभाग में स्नातकोत्तर तथा शोध छात्रों को गुणवत्तापरक शोध को बढ़ावा देने व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी वड़ोदरा के प्रोफेसर एवं वैज्ञानिक केवीआर मूर्ति ने विद्यार्थियों को शोध के प्रति प्रोत्साहित कर लाइट इमीशन प्रेजेंट, पास्ट और फ्यूचर पर अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने प्रकाश उत्पादन की चार पीढ़ियों के सफर को बताया।

जिसमें लालटेन एवं केरोसिन की बत्ती से लेकर विद्युत् बल्ब, फ्लोरसेन्ट नली और प्रकाश उत्सर्जक डायोड के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हर अविष्कार के साथ प्रदूषण कम होता गया। उन्होंने विद्यार्थियों को शोध के क्षेत्र में भारत सरकार की ओर से दी जाने वाली राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय फेलोशिप की जानकारी दी और बताया कि इस क्षेत्र में रोज़गार के अपार सम्भावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि शोध तभी सफल है। जब शोध से समाज को कुछ फायदा मिलता हो। इसलिए विद्यार्थियों को दिशाहीन पढ़ाई के बजाय स्वयं का लक्ष्य निर्धारित कर पढ़ाई करनी चाहिए।

बेटियों के लिए फायद की योजना बताई

भिलाई . साइंस कॉलेज दुर्ग की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने ग्राम खपरी में सुकन्या समृद्धि योजना के बारे में ग्रामवासियों को जानकारी दी। रैली के माध्यम से योजना के बारे में बताया। डॉ. मीना मान, छात्र इकाई प्रभारी प्रो. जनेन्द्र कुमार दीवान, गांव के सरपंच दिनेश ठाकुर, प्राचार्य सुनीता सूद भी शामिल रहे।

जिस शोध से समाज को फायदा मिले वह सफल : प्रो. मूर्ति

दुर्ग, 14 अक्टूबर (देशबन्धु)। शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर पीजी स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग के भौतिक शास्त्र विभाग में स्नातकोत्तर तथा शोध छात्रों को गुणवत्तापरक शोध को बढ़ावा देने हेतु व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी वड़ोदरा से पधारे प्रोफेसर और लुमिनसेन्स सोसाइटी के अध्यक्ष और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक प्रोफेसर के वी आर मूर्ति ने विद्यार्थियों को शोध के प्रति प्रोत्साहित करते हुए लाइट इमीशन प्रेजेंटए पास्ट और फ्यूचर पर आमंत्रित व्याख्यान दिया। उन्होंने प्रकाश उत्पादन की चार पीढ़ियों के सफर को जिसमे उन्होंने लालटेन एवं केरोसिन की बत्ती से विद्युत् बल्बए फ्लोरसेन्ट नली और प्रकाश उत्सर्जक डायोड तक बताया और साथ ही यह बताया की हर अविष्कार के साथ प्रदुषण कम होता गया। उन्होंने विद्यार्थियों को

भारत सरकार द्वारा शोध के क्षेत्र में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय फ़ेलोशिप की जानकारी देते हुए बताया की इस क्षेत्र में रोज़गार के अपार सम्भावनायें हैं। उन्होंने बताया की अगर शोध से समाज को कुछ फायदा मिलता है तो वह शोध सफल होता है, उन्होंने अपने शोध से समबधित जानकारियों को वीडियो के माध्यम से बतायाए इसके साथ ही उन्होंने विधार्थियो को दिशाहीन पढाई के बजाय स्वयं का लक्ष्य निर्धारित कर अपने उद्देश्यों को पूरा करते हुए अपने सपनो को साकार करने का आव्हवान किया। व्याख्यान के दौरान डॉ मूर्ति ने विद्यार्थियों द्वारा शोध से सम्बंधित पूछे गये प्रश्नो के उत्तर देकर विद्यार्थियों की शंका को समाधान किया। शोध के लिए विद्यार्थियों को बहुआयामी होना चाहिये क्योंकि शोध के लिए जो आज नया होत कल पुराना हो जाता हैं, इस बात को ध्यान में ➤➤ शेष पृष्ठ 9 पर

DEPARMENT OF PHYSICS

दिशाहीन पढ़ाई के बजाय स्वयं का लक्ष्य निर्धारित कर सपनें करें साकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय के भौतिक शास्त्र विभाग में स्नातकोत्तर तथा शोध छात्रों को गुणवत्तापरक शोध को बढ़ावा देने

- गुणवतापरक शोध को बढ़ावा देने व्याख्यान

के लिए व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी बड़ोदरा से पधारे प्रोफेसर और लुमिनसेन्स सोसायटी के अध्यक्ष और अन्तराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक प्रोफेसर केवीआर मूर्ति ने विद्यार्थियो को शोध के प्रति प्रोत्साहित करते हुए लाइट इमीशन वर्तमान, भूत और भविष्य पर आमंत्रित व्याख्यान दिए। उन्होने प्रकाश उत्पादन की चार पीढ़ियो के सफर को जिसमें लालटेन एवं केरोसिन की बत्ती से विद्युत बल्ब, फ्लोरसेन्ट नली और प्रकाश उत्सर्जक, डायोड तक बताया और साथ ही यह बताया कि हर अविष्कार के बाद प्रदूषण कम होता गया। उन्होंने विद्यार्थियो को भारत सरकार द्वारा शोध के क्षेत्र में राष्ट्रीय और अन्तराष्ट्रीय स्तर पर फेलोशिप की जानकारी देते हुए बताया कि इस क्षेत्र में रोजगार की अपार सम्भावनाऐं हैं। अगर शोध से समाज को कुछ फायदा मिलता है तो वह शोध सफल होता है।

उन्होने अपने शोध से सम्बधिंत जानकारियों को वीडियो के माध्यम से बताया। विद्यार्थियों को दिशाहीन पढ़ाई के बजाय स्वयं का लक्ष्य निर्धारित कर अपने उद्देश्यों को पूरा करते हुए अपने सपनों को साकार करने का आव्हान किया। व्याख्यान के दौरान डॉ मूर्ति ने विद्यार्थियों द्वारा शोध से संबंधित पूछे गऐ प्रश्नों का उत्तर देकर विद्यार्थियो की शंका का समाधान किया। शोध के लिए विद्यार्थियों को बहुआयामी होना चाहिए, क्योकि शोध के लिए जो आज नया होता है वो कल पुराना हो जाता है। इस बात को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियो को शोध के क्षेत्र मे जाना चाहिए। व्याख्यान के आरम्भ में डॉ मूर्ति का स्वागत पुष्प गुच्छ से विभागाध्यक्ष डॉ पूर्णा बोस ने किया।

गुणवत्तापरक शोध को बढ़ावा देने जोर

दुर्ग (वि.)। शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग के भौतिक शास्त्र विभाग में स्नातकोत्तर तथा शोध छात्रों को गुणवत्तापरक शोध को बढ़ावा देने व्याख्यान का आयोजन हुआ। बड़ोदरा से आए प्रोफेसर और लुमिनसेन्स सोसायटी के अध्यक्ष और अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक प्रोफेसर केवीआर मूर्ति ने विद्यार्थियों को शोध के प्रति प्रोत्साहित करते हुए लाइट इमीशन वर्तमान, भूत और भविष्य पर व्याख्यान दिया।

वक्ताओं ने प्रकाश उत्पादन की चार पीढ़ियो के सफर को जिसमें लालटेन एवं केरोसिन की बत्ती से विद्युत बल्ब, फ्लोरसेन्ट नली और प्रकाश उत्सर्जक, डायोड तक बताया और साथ ही यह बताया कि हर अविष्कार के बाद प्रदूषण कम होता गया। उन्होनें विद्यार्थियो को भारत सरकार द्वारा शोध के क्षेत्र में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फेलोशिप की जानकारी देते हुए बताया कि इस क्षेत्र में रोजगार की अपार सम्भावनाएं हैं। उन्होनें बताया कि अगर शोध से समाज को कुछ फायदा मिलता है तो वह शोध सफल होता है, उन्होनें अपने शोध से संबंधित जानकारियों को विडियो के माध्यम से बताया।

शोध के लिए विद्यार्थियों को बहुआयामी होना चाहिए क्योकि शोध के लिए जो आज नया होता है वो कल पुराना हो जाता है, इस बात को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों को शोध के क्षेत्र में जाना चाहिए। डॉ. आरएस सिंह, डॉ. अनीता शुक्ला, सीतेश्वरी चंद्राकर, डॉ. अभिषेक मिश्रा के साथ समस्त शोध छात्र, एमएससी प्रथम और तृतीय सेमेस्टर भौतिक शास्त्र के विद्यार्थी उपस्थित रहे। प्राचार्य डॉ.आरएन सिंह ने आयोजन की सराहना की।